महोदय, मैं इस संबंध में हिमाचल प्रदेश में जनहित से जुड़ी दो बातों को आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। महोदय, नंबर वन बात तो यह है कि ऊना से हमीरपुर वाया बंगाणा, धनेटा, कांगू, हमीरपुर सड़क के मध्य बंगाणा से धनेटा के बीच टनल का निर्माण होने से ऊना से हमीरपुर के बीच की दूरी 15-20 किलोमीटर कम हो जाएगी। महोदय, इन स्थानों पर लोग दूर-दूर से बाबा बालकनाथ मंदिर, हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध शक्ति पीठ माता ज्वाला जी मंदिर व बाबा बालकरूपी के दर्शनों के लिए आते हैं। इस टनल के निर्माण से श्रद्धालु व आम जनमानस कम समय में बेहतर यात्रा सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

महोदय, दूसरी बात यह है कि वर्तमान समय में केंद्र द्वारा पोषित मटौर (धर्मशाला)-शिमला और परवाणु से शिमला से फोर लेन का कार्य प्रगति पर है। इन फोर लेन के बनने से धर्मशाला-शिमला व परवाणु-शिमला की दूरी तो कम होगी ही, इसके साथ ही पर्यटन कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा। मैं आपके माध्यम से केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय से आग्रह करना चाहता हूं कि इस फोर लेन्स के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और इससे संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए जाएं, ताकि इन फोर लेन्स का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण हो तथा बंगाणा से धनेटा के बीच टनल का निर्माण भी शीघ्रताशीघ्र किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you, Dr. Sikandar Kumar. The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Sikandar Kumar: Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar, (Madhya Pradesh), Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Ms. Indu Bala Goswami, (Himachal Pradesh), Dr. Bhagwat Karad, (Maharashtra), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Dr. Laxmikant Bajpayee (Uttar Pradesh), Shri Sanjay Seth, (Uttar Pradesh), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

Demand for intervention of Central Government to resolve the problems faced by farmers of Madhya Pradesh in selling Moong crop

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, मध्य प्रदेश में मूँग का उत्पादन पिछले पाँच वर्ष में तेजी से बढ़ा है। सरकार किसानों द्वारा पैदा किए जाने वाले मूँग के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी ई-उपाजन पोर्टल पर पंजन के माध्यम से करती है। इस साल मध्य प्रदेश में मूँग की फसल खरीदने के लिए जो पंजन किसानों द्वारा किए गए थे, उनके लिए स्लॉट बुकिंग जून के अंतिम सप्ताह से प्रारंभ करके, अंतिम तिथि 31 जुलाई तक रखी गई थी। विगत वर्ष, किसानों से प्रति हेक्टेयर दस क्विंटल की खरीदी सरकार द्वारा की गई थी, जिसे इस साल प्रति हेक्टेयर आठ क्विंटल कर दिया

गया है। किसानों द्वारा धरना प्रदर्शन के बाद, इसे बढ़ाकर 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर किया गया है। अधिकतर समय सर्वर डाउन है। तकनीकी खराबी या किसी अन्य वजह से पोर्टल बंद रहा तथा अधिकांश किसान अपनी मूँग की फसल को बेचने के लिए स्लॉट बुक नहीं कर पाए। इस बीच 22 जुलाई को किसानों के लिए ऑनलाइन स्लॉट की बुकिंग अचानक बंद कर दी गई, जिससे हजारों किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित रह गए। इस बीच में, परसो के रोज, चूँकि बुदनी में चुनाव-उपचुनाव होने वाला है, तो चार घंटे के लिए स्लॉट खोला गया। जिन किसानों ने अपना स्लॉट बुक करा दिया था, उन्हें भी या तो बोरा समाप्त होने की बात कही जा रही है या उनकी फसल की तुलाई नहीं हो पा रही है। लोगों के हजारों ट्रेक्टर खड़े हुए हैं। पोर्टल पर रजिस्टर हो जाने के बाद भी तुलाई नहीं हो रही है। गोदाम के सामने हजारों ट्रेक्टरों की कतारें लगी हुई हैं। बारिश के कारण मूँग भीगने से अंकुरित हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभी तक कुल अनुमानित उत्पादन का केवल 18 प्रतिशत ही उपार्जित हो सका है। परिणामस्वरूप, या तो किसानों की फसल नष्ट हो रही है या फिर किसान अपनी मूँग की फसल को व्यापारियों को कम दाम पर बेचने को मजबूर हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में इसे लेकर किसान आंदोलित हैं। उनके द्वारा पोर्टल पर स्लॉट बुकिंग की तारीख बढ़ाने, जिनके स्लॉट्स बुक हो गए, उनकी फसल की तत्काल तुलाई कराने की माँग की जा रही है। राज्य सरकार पूरी तरह से इस मामले की अनदेखी कर रही है। मैं मध्य प्रदेश के किसानों के हित में केंद्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने तथा किसानों की समस्या का समाधान करने का निवेदन करता हूँ। सहयोग से, हमारे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री किसान मंत्री हैं और उन्हीं के क्षेत्र में यह सब-कुछ हो रहा है। जब मैंने यह जीरो ऑवर पुट अप किया, तो कल शाम को छः बजे उन्होंने यह आदेश निकाला है कि एक दिन के लिए, यानी एक अगस्त को पोर्टल खोला जाएगा, लेकिन जब हजारों किसान अपना रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं, तो उस पोर्टल पर हजारों किसान यह कैसे कर पाएंगे? यह पूरा-पूरा खेल है कि व्यापारियों को सस्ता बेचने के लिए किसानों को मजबूर करें और व्यापारियों से महंगा तुलवा कर खरीद लें। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing else is going on record.

The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Digvijaya Singh: Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Ms. Dola Sen (West Bengal), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shri Samirul Islam (West Bengal), Shrimati Sagarika Ghose (West Bengal), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Haris Beeran (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand) and Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh)